क्विकर

अंतिम सफेद गेंडा भी मरा

केन्या, एजेंसी, 21 मार्च-दुनिया के आखिरी बचे 45 साल के सफेद नर गैंडे सूडान की मौत हो गई है. इस गैंडे की मौत केन्या में हुई. गैंडे के पैर में इन्फेक्शन था, जिसका इलाज किया जा रहा था, लेकिन सूडान को बचाया नहीं जा सका.

तहखाने में छिपे थे बच्चे, बमबारी में 15 मारे गए

बेरुत, एजेंसी, 21 मार्च-सीरिया के पूर्वी घोउटा शहर के एक स्कूल में हुए हवाई हमले में 15 बच्चों और दो महिलाओं की मौत हो गई. सभी बमबारी से बचने के लिए स्कूल के तहखाने में छिपे हुए थे.

इरशाद कामिल को मिला शैलेंद्र सम्मान

देहरादून, एजेंसी, 21 मार्च-बॉलिवुड के जानेमाने गीतकार इरशाद कामिल को 10 वां शैलेंद्र सम्मान देने की घोषणा की गई है. निर्णायक समिति के सदस्य और बॉलिवुड के गीतकार डॉ. सागर ने घोषणा की कि इरशाद कामिल को यह सम्मान शैलेंद्र जी की 95 वीं जयंती पर 30 अगस्त 2018 को देहरादून में दिया जाएगा. उल्लेखनीय है कि इरशाद कामिल ने जब वी मेट, लव आजकल, रांझणा, चमेली, सुल्तानऔर टाइगर जिंदा है जैसी दर्जनों फिल्मों में बेहतरीन गीत लिखे हैं. उनके गीत शैलेंद्र की परंपरा को आगे बढ़ाते हैं और स्तरीयता व लोकप्रियता के जीवंत दस्तावेज हैं.

सीमांचल ईडी के पहले प्रधान विशेष निदेशक

दिल्ली, एजेंसी, 21 मार्च-वित्त मंत्री अरुण जेटली के पूर्व निजी सचिव सीमांचल दास को प्रवर्तन निदेशालय का पहला प्रधान विशेष निदेशक नियुक्त किया गया है. मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने दास की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है. दास भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के 1988 बैच के अधिकारी हैं. चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर एसीसी ने इस नियुक्ति को मंजूरी दी है. दास जुलाई, 2017 तक वित्त मंत्री के निजी सचिव थे.

बाहुबली2 चीन में प्रदर्शित होगी

बीजिंग, एजेंसी, 21 मार्च-फिल्म बाहुबली2 : द कनक्लुजन जल्द ही चीन के सिनेमा घरों में प्रदर्शित होगी. चीन में बाहुबलीः द बिगिनिंग प्रदर्शित करने वाली ईस्टार्स मीडिया इस फिल्म को प्रदर्शित करेगी. वैरायटी के

मुताबिक, निमार्ताओं को सेंसर से मंजूरी मिल गई है, लेकिन अभी तक इसके प्रदर्शन की तारीख तय नहीं की गई है. एसएस राजामौली के निर्देशन में बनी इस फिल्म में प्रभाष, राणा दग्गुबती, अनुष्का शेट्टी और तमन्ना भाटिया नजर आए थे.

प्रोफेसर ने अश्लील कमेंट किया, विरोध

कोझिकोड, एजेंसी, 21 मार्च-लड़कियों के पहनावे को लेकर एक प्रोफेसर की विवादित टिप्पणी को लेकर छात्राओं ने यहां तरबूज लेकर विरोध मार्च निकाला. फारूक ट्रेनिंग कॉलेज के सहायक प्रफेसर टी जौहर मुनव्वर ने कथित रूप से छात्राओं के ब्रोस्ट की तुलना तरबूज से कर दी थी.

रेखा की रास सीट के लिए मची होड़

अक्षय कुमार, जूही चावला, गजेंद्र चौहान, डिंपल कापड़िया, सुरेश ओबेरॉय के नाम चर्चा में

प्रतिनिधि, 21 मार्च

मुंबई-कला, संस्कृति, साहित्य एवं समाजसेवा के क्षेत्र से राज्यसभा के लिए राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत 12 सदस्यों में से जिन तीन सदस्यों की सीटें अप्रैल में खाली होने जा रही हैं, संयोग से ये तीनों हस्तियां मुंबई में रहती हैं. व्यवसायी अनु आगा, क्रिकेट खिलाड़ी सचिन तेंडुलकर तथा फिल्म अभिनेत्री रेखा. सदन में उपस्थिति का सबसे खराब रिकॉर्ड (साढ़े चार पर्सेंट) बनाकर टीकाटिप्पणी झेल चुकीं रेखा ने छह साल का कार्यकाल पूरा कर लिया है और सबकी निगाहें अब इस बात पर टिकी हैं कि रेखा की सीट पर किस फिल्मी सितारे की लॉटरी खुलेगी.

भाजपा के उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि राज्यसभा में खाली होने वाली रेखा की सीट हासिल करने के लिए कई फिल्मी सितारों ने पार्टी हाईकमान के पास खुद गुहार लगाई है, तो कुछ प्रत्याशियों ने भारी भरकम मंत्रियों के माध्यम से सिफारिश की अर्जी लगवाई है. सूत्रों की मानें तो पार्टी के गलियारों में नामांकन की होड़ में फिलहाल अक्षय कुमार, जूही चावला और गजेंद्र चौहान का नाम आगे चल रहा है. हालांकि सलमान खान के पिता सलीम खान, विवेक ओबेरॉय के पिता सुरेश ओबेरॉय, ऋषि कपूर, जैकी श्रॉफ, वहीदा रहमान, आशा पारेख, मधुर भंडारकर और अनुपम खेर के नामों की भी सिफारिश पार्टी और सरकार के कानों तक पहुंची है. सूत्रों के मुताबिक, यूपीए सरकार की ओर से एक वजनदार सांसद द्वारा काफी मानमनौवल के बाद रेखा ने हां की थी, लेकिन राज्यसभा में जया बच्चन को चिढ़ाने के इरादे से रेखा

रेखा

अक्षय कुमार

जूही चावला

गजेंद्र चौहान

डिंपल कापड़िया

को उनके सामने बिठाने का उनका आइडिया फ्लॉप साबित हुआ. जया ने हर सत्र में चर्चा में हिस्सा लिया लेकिन हर सत्र में औसतन एक दिन ही रेखा ने उपस्थिति दर्ज कराई. उनके दीदार के लिए तरस गए कई सांसदों ने रेखा की गैरहाजिरी और निष्क्रियता पर सवाल उठाते हुए उनके इस्तीफे की मांग तक कर डाली थी.

अब इस सीट पर रेखा की जगह बॉलिवुड से ऐसे स्टार को मनोनीत कराने की सलाह एनडीए सरकार को दी जा रही है, जो सदन में सक्रिय रहने के लिए समय निकाल सके. महिलाओं के लिए शौचालय निर्माण, प्रधानमंत्री के स्वच्छता अभियान और शहीद जवानों के लिए धनसंग्रह में सक्रियता दिखाकर राष्ट्रवादी होने का बारबार परिचय दे चुके और रेखा के साथ खिलाड़ी का रोल कर चुके अक्षय कुमार राज्यसभा में प्रवेश पा सकते हैं. अगर कनाडा की उनकी नागरिकता को लेकर कोई परेशानी पेश आई तो उनकी सास डिंपल कापड़िया के नाम पर विचार हो सकता है, जो अल्पसंख्यक समुदाय से हैं और गुजरातीभाषी भी. गजेंद्र चौहान को संघ परिवार का वरदहस्त हासिल है. फिल्म इंस्टिट्यूट पुणे का अध्यक्ष पद संभालने के बाद वह भारी विवादों में रहे लेकिन सरकार उनके पीछे लगातार खडी रही. कैग की रिपोर्ट में उनके काम की सराहना और नॉर्थ-ईस्ट में बीजेपी के पक्ष में प्रचार यात्राएं उनके लिए प्लस पॉइंट है. मोबाइल टावरों के रेडिएशन के खिलाफ राष्ट्रव्यापी अभियान छेड़ चुकीं जूही चावला ने गुलाब गैंग में पॉलिटिकल लीडर के रूप में दिखाई दी थीं. ठोस गुजरात कनेक्शन वाले अपने पति जय मेहता के समर्थन से जूही क्या अपनी महक राज्यसभा में भी बिखेर पाएंगी, इस पर सबकी नजर है.

संसद में 13वें दिन भी नहीं हुआ कोई काम

दिल्ली-यह क्या हो रहा है? राज्यसभा में सभापति वेंकैया नायडू बुधवार को लगातार जारी हंगामे से हैरान दिखे. लोकसभा में भी नजारा सत्र के पिछले 13 दिनों जैसा था और कुछ मिनटों की कार्यवाही में ही सदन पूरे दिन के लिए स्थगित हो गया. सरकार और विपक्ष के बीच आंध्र को विशेष दर्जा समेत कई मुद्दों को लेकर जारी मतभेद से इस बार संसद का सत्र बुरी तरह से प्रभावित हुआ है.बुधवार को भी दोनों सदनों में कोई कामकाज नहीं हो सका. लोकसभा में हंगामे के चलते अविश्वास प्रस्ताव भी पेश नहीं हो सका. सदन की कार्यवाही पहले एक घंटे के लिए और बाद में पूरे दिन के लिए स्थगित हो गई. उच्च सदन में भी जमकर हंगामा और नारेबाजी हुई. आखिरकार सभापति को राज्यसभा की कार्यवाही 5 मिनट बाद ही स्थगित करनी पड़ी.

सबसे अधिक भिखारी बंगाल में

दिल्ली, एजेंसी, 21 मार्च-सामाजिक कल्याण मंत्रालय ने लोकसभा में एक सवाल के जवाब में भारत में भिखारियों की संख्या के बारे में बताया. देश में इस वक्त कुल 413760 भिखारी हैं जिनमें 221673 भिखारी पुरुष और बाकी महिलाएं हैं. भिखारियों की इस लिस्ट में टॉप पर पश्चिम बंगाल है. बंगाल में भिखारियों की संख्या सबसे अधिक है और उसके बाद दूसरे नंबर पर स्थान है उत्तर प्रदेश और तीसरे नंबर पर बिहार है. मंत्री थावरचंद गहलोत ने अपने जवाब में ये आंकड़े दिए. भिखारियों की

उत्तर प्रदेश दूसरे नंबर पर

संख्या के लिहाज से देखें तो पूर्वोत्तर के राज्य काफी अच्छी स्थिति में हैं. पूर्वोत्तर के राज्यों में भिखारियों की संख्या बहुत कम है. अरुणाचल प्रदेश में सिर्फ 114 भिखारी हैं, नगालैंड में 124 और मिजोरम में सिर्फ 53 भिखारी ही हैं. संघ शासित प्रदेश दमन और दीव में 22 भिखारी हैं तो लक्षद्वीप में सिर्फ 2 ही भिखारी हैं.सामाजिक कल्याण मंत्रालय की इस लिस्ट में एक और बात स्पष्ट हुई है कि पर्वतीय प्रदेशों में भी भिखारियों की संख्या काफी कम है. उत्तराखंड में 3320 भिखारी हैं और हिमाचल प्रदेश में 809 भिखारी हैं. दिल्ली में भिखारियों की संख्या 2187 है.

भाजपा के सांसद और डायमंड उद्योगपतियों के पास भी बीपीएल कार्ड

अहमदाबाद, एजेंसी, 21 मार्च-गुजरात में गरीबों के लिए आवंटित 12210 करोड़ रुपए का अनाज कालाबाजारी और डायमंड के व्यापारी ही हजम कर गए. विधानसभा में बुधवार को विपक्ष के नेता परेश ने नागरिक आपूर्ति और ग्राम विकास की मांग पर चर्चा में यह आरोप लगाया.

उन्होंने कहा कि गुजरात में भाजपा की सांसद दर्शना जड़दोश और विधायक झंखना पटेल और सूरत के लक्ष्मी डायमंड के उद्योगपति वसंत गजेरा के नाम पर भी बीपीएल कार्ड है. इनके नाम से भी गरीबों का अनाज उठा लिया जाता है. उन्होंने

सवाल उठाया कि क्या सांसद, विधायक और उद्योगपति भी गरीबों की श्रेणी में है.

उन्होंने कहा कि ऑडिट में यह भी जानकारी मिली है कि रामायण पाठ पढ़ाने वाले बापू, तलगाजरड़ी के महामंडलेश्वर भारती बापू के नाम पर भी बीपीएल कार्ड है. राज्य में मशहूर लोगों का बीपीएल कार्ड बनाकर उनके अंगूठों का निशान खुदी लगाकर हर महीने करोड़ों रुपयों का अनाज हजम कर लिया जाता है. तत्कालीन यूपीए सरकार ने राइट टू फूड का कानून बनाया, लेकिन गुजरात सरकार गरीबों तक अनाज पहुंचाने में असफल रही है.

नीतीश-पासवान की नज़दीकी भाजपा के लिए संदेश

दोनों की युगलबंदी नए सियासी समीकरण का संकेत

नई दिल्ली, एजेन्सी, 21 मार्च - केंद्र सरकार में सीनियर मंत्री रामविलास पासवान 4 सालों में पहली बार मोदी सरकार में रहते हुए बीजेपी पर अप्रत्यक्ष रू प से दलितों और अल्पसंख्यकों के हितों की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हैं और उसके अगले दिन बिहार के सीएम नीतीश कुमार उनकी बातों के समर्थन में आ जाते हैं. सूत्रों के अनुसार यह महज संयोग नहीं था. रामविलास पासवान और नीतीश कुमार की युगलबंदी नये सियासी समीकरण का संकेत है जो बीजेपी को बड़ा संदेश देना चाहती है. दोनों की चिंता बिहार से लेकर दिल्ली तक न सिर्फ उनकी उपेक्षा को लेकर है बल्कि सहयोगी रहते हुए भी उनके राजनीतिक स्पेस में हस्तक्षेप का मुद्दा भी है.

मालूम हो कि सोमवार को नीतीश कुमार ने पटना में कहा था कि वह किसी भी गठबंधन के साथ रहें, लेकिन उनकी मूल अवधारणा में बदलाव नहीं हुआ है. उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार और समाज को तोड़ने व बांटने वाली नीति से समझौता नहीं कर सकते. उन्होंने इशारों में पिछले कुछ दिनों में बिहार से केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के भड़काऊ बयानों पर ऐतराज जताया था. नीतीश कुमार ने रामविलास पासवान के उस बयान का भी समर्थन किया जिसमें उन्होंने बीजेपी से दलित, अल्पसंख्यक के हित के लिए और गंभीरता से सोचने को कहा था.

हमें कमजोर नहीं समझना

दोनों की चिंता 2019 में सीटों के हिस्से को लेकर भी है. सूत्रों के अनुसार नीतीश कुमार ने बीजेपी नेतृत्व से बार-बार इस बारे में अभी से स्थिति साफ करने का कहा ताकि पार्टी कार्यकताओं में उलझन न रहे लेकिन उनकी बात नहीं मानी गई. यही स्थिति रामविलास को लेकर है. जेडीयू के एक नेता ने बताया कि अगर नीतीश कुमार और रामविलास पासवान की ताकत को एक साथ जोड़ ले तो वे बिहार में अब भी सियासी समीकरण में सब पर भारी पड़ेंगे.

यह नाराजगी कहां जाएगी?

एनबीटी ने जेडीयू और एलजेपी नेताओं से बात की तो लगा कि अभी दोनों दलों का एनडीए से अलग होने का कोई इरादा नहीं है. लेकिन दोनों दल के नेता इस बात को स्वीकार करते हैं कि बीजेपी ने उन्हें सहयोगी होने का उचित स्थान भी नहीं दिया है. दलित नेता के रूप में स्थापित रामविलास पासवान को पिछले 4 सालों में राजनीतिक रू प से कोई मंच नहीं दिया और दूसरे दलित नेताओं को सामने लाया गया.दूसरी तरफ जिस उत्साह से नीतीश कुमार को आरजेडी से गठबंधन तोड़कर एनडीए में शामिल किया गया, बाद में यहां भी इन्हें हाशिए पर रखने की कोशिश की गई. यही बात रामविलास और नीतीश दोनों को करीब लाने वाला कॉमन फैक्टर बना. सूत्रों के अनुसार पिछले कुछ दिनों से दोनों लगातार संपर्क में हैं और सियासी घटनाक्रम को लेकर दोनों एक साझा रणनीति पर काम कर रहे हैं.

सांसद की पत्नी भी हुईं यौन उत्पीड़न का शिकार

दिल्ली, एजेंसी, 21 मार्च-यौन उत्पीड़न से केवल आम युवती ही नहीं बल्कि सांसद की पत्नी भी इसका शिकार हो चुकी है. केरल से सांसद की पत्नी ने अपनी किताब में इस बात का खुलासा किया है. केरल कांग्रेस (एम) के नेता और सांसद जोस के मणि की पत्नी निशा जोस की पिछले महीने द अदर साइड ऑफ लाइफ किताब का विमोचन हुआ है. किताब में उन्होंने यौन उत्पीड़न का जिक्र किया है.

उन्होंने कहा कि निर्दलीय विधायक और केरल कांग्रेस (एम) के पूर्व नेता पीसी जॉर्ज के बेटे शॉन जॉर्ज ने उनका यौन उत्पीड़न किया है. इसके बाद शॉन जॉर्ज ने कोयट्टम में एक पुलिस शिकायत दर्ज कराई है. जिसमें जांच की मांग की गई है. हालांकि पुलिस ने शिकायत को खारिज कर दिया और किसी भी आपराधिक गतिविधि होने से इनकार किया है.

मंगलवार को शॉन जॉर्ज ने कहा कि मैं सच को सामने लाने के लिए किसी भी हद तक जा सकता हूं. मेरी मां के समान उम्र की महिला ने मुझ पर ऐसे आरोप लगाए हैं जिनमें कुछ भी सच्चाई नहीं है. उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति ने इस घटना को लिखा है वह कमजोर व्यक्ति नहीं है. उन्होंने कहा कि कुछ ऑनलाइन पोर्टल ने खबर छापते हुए मेरा नाम अंकित किया है. जिसके बाद मुझे कानूनी कार्रवाई करने पर मजबूर होना पड़ा है.

किताब में निशा ने लिखा है कि

किताब में किया खुलासा

जब वह ट्रेन में तिरुवनंतपुरम से कोट्टयम की यात्रा कर रही थीं तब उन्हें कथित रूप से परेशान किया गया. उन्होंने तिथि का उल्लेख नहीं किया लेकिन कहा कि यह घटना पिछले यूडीएफ शासन के दौरान की है. जब उनके ससुर और केरल कांग्रेस (एम) के अध्यक्ष के एम मणि मंत्री थे. उन्होंने कहा कि मैं सोने की तैयारी कर रही थी तभी वह मेरे पास आ गया और मेरे पास बैठ गया. मैंने उसे अपने पास से जाने के लिए भी कहा. इस पर पीसी जॉर्ज ने कहा कि निशा ऐसा करके राजनीति में फायदा लेना चाहती हैं.

मोदी की लगाम कसने की जुगत में संघ की नागपुर लॉबी

गेम प्लान 2019

संघ की कार्यशैली को जानने वालों का कहना है कि चुनावी रेस में सरपट दौड़ने वाला घोड़ा तो मोदी ही है. संघ इस घोड़े की पीठ पर बैठकर उसे यह अहसास दिलाना चाहता है कि दौड़ भले तुम रहे हो, मगर जीत हमारे कारण रहे हो. अगर घोड़ा सवार के नियंत्रण में रहा, तो उसे दुलारा पुचकारा जाता रहेगा और यदि बेकाबू हुआ तो... बेकाबू घोड़े के साथ क्या किया जाता है सब जानते हैं.

प्रतिनिधि, 21 मार्च

मुंबई-राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) में इन दिनों भीतर ही भीतर भयानक द्वंद्व चल रहा है. संघ की नागपुर लॉबी को लग रहा है कि नरेंद्र मोदी जिस रफ्तार से बड़े हो रहे हैं, कहीं ऐसा न हो कि उन्हें नियंत्रित करना मुश्किल हो जाए. यही वजह है कि मोदी की लाख कोशिशों के बावजूद संघ के सरकार्यवाह के पद पर दत्तात्रय होसबले की नियुक्ति नहीं हो पाई.होसबले की जगह सुरेश जोशी (जिन्हें संगठन में भैय्याजी जोशी के नाम से जाना जाता है) यथावत रहे.

शाखा बनाम बाहरी

बता दें कि आरएसएस में संघ प्रमुख यानी संघचालक के बाद सरकार्यवाह ही सबसे बड़ा और अधिकार वाला पद है. नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनने के बाद से लगातार यह कोशिश कर रहे हैं कि सरकार्यवाह के पद पर उनकी मर्जी के दत्तात्रय होसबले विराजमान हो जाएं, लेकिन संघ की नागपुर लॉबी दो बार मोदी की इन कोशिशों को गच्चा दे चुकी है. पहली बार 2015 में और दूसरी बार 2018 में भी. इसके पीछे की वजह यह है कि दत्तात्रय होसबले संघ की शाखा से निकलकर नहीं, बल्कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से संघ में आए हैं. संघ के लोगों के बीच यह धारणा भी बहुत गहरे तक है कि संघ की शाखाओं में बचपन से शामिल होने वाले स्वयंसेवकों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए, क्योंकि दूसरे संगठनों से लोग युवावस्था में पद और अधिकार की लालसा के साथ संघ में आते हैं और बड़े बड़े पदों पर पहुंच जाते हैं.

नागपुर समर्थक लॉबी की ताकत

मोदी की पसंद होसबले को रोकने के साथ ही सरकार्यवाह के नीचे जो छह सह सरकार्यवाह बनाए गए हैं, उनमें भी अपना बहुमत बनाने में नागपुर लॉबी कामयाब रही है. छह सह सरकार्यवाह में से चार नागुपर लॉबी के अपने करीबी लोग हैं. सबसे बड़ा घटनाक्रम तो यह है कि मोदी की वजह से गुजरात प्रांत प्रचारक पद से हटाए गए डॉ. मनमोहन वैद्य को सहसरकार्यवाह बनाया गया है. मनमोहन वैद्य संघ के बड़े नेता मा.गो.वैद्य के बेटे हैं. अलावा इसके सह सरकार्यवाह बनाए गए डॉ.कृष्णगोपाल केंद्र की भाजपा सरकार और संघ के बीच की अधिकृत कड़ी हैं.

डॉ.कृष्णगोपाल संघ में सत्ता का बड़ा केंद्र माने जाते हैं, वह भी नागपुर लॉबी के करीबी हैं. उनकी सिफारिश पर मोदी मंत्रिमंडल में कई लोग मंत्री बने हैं. वही लोग मोदी की कार्यशैली की शिकायतें उन तक पहुंचा रहे हैं.

दूसरे सह सरकार्यवाह सुरेश सोनी मध्यप्रदेश से हैं और मोदी की बजाय राजनाथ सिंह के करीबी हैं. राजनाथ सिंह को भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने में इनकी मुख्य भूमिका रही. मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद शुरूआत में मध्यप्रदेश भाजपा ने मोदी के प्रति जो उदास रवैया अपनाया था, उसके पीछे भी संघ में मोदी को लेकर चल रहा द्वंद ही मुख्य वजह रही.

तीसरे सह सरकार्यवाह वी.भागैया संघ की शाखा से निकले हैं और शाखा को संघ की सबसे गौरवशाली इकाई मानने वाली नागपुर लॉबी के प्रबल पक्षधर माने जाते हैं. वह तेलंगाना के हैं और संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख रहे हैं.

संघ के लिए स्वंयसेवक तैयार करने में निपुण माने जाते है. अलावा इसके जिन मुकुंद सी. आर को सह सरकार्यवाह बनाया गया है, वह भी संघ की शाखा से निकले कैडर के ही हैं. इस लिहाज से देखा जाए, तो मोदी के आक्रामक तेवरों और मोदीशाह की महत्वाकांक्षाओं पर लगाम लगाने का इंतजाम कर दिया है. अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि 2019 के चुनाव में संघ, मोदी और अमित शाह की लगाम किस हद तक कसेगा.

वैसे संघ के भीतर इस बात को लेकर भी घमासान चल रहा है कि पूर्वोत्तर में वर्षों से उसके प्रचारकों ने काम करके जो जमीन तैयार की, उस पर भजापा ने सत्ता ने महल खड़ा कर लिया और इसका श्रेय दूसरों को बांटा जा रहा है.

12 साल पुरानी खुन्नस

आरएसएस के वरिष्ठ जनों का कहना है कि मोदी को लेकर संघ में शुरू से ही संशय की स्थिति रही है. 2005 में सूरत में हुई प्रचारकों की बैठक में मोदी को लेकर इतना घमासान हुआ था कि प्रचारकों में ही मतभेद हो गए थे. तब महाराष्ट्र प्रांत के वरिष्ठ प्रचारक मुकुंद राव पणशिकार मोदी के पक्ष में खडे हुए थे और हिंदुत्व के नाम पर प्रचारकों को जैसे-तैसे एकजुट कर पाए थे. उस समय मोदी का विरोध करने के कारण गुजरात के प्रांत प्रचारक रहे मनमोहन वैद्य को संघ के तत्कालीन शीर्ष नेतृत्व ने गुजरात से हटाने के लिए, अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख बना दिया था. इसी तरह 2005 से 2007 तक संघ का तत्कालीन शीर्ष नेतृत्व नरेंद्र मोदी को गुजरात में साथ देता रहा. 2009 में संघ के शीर्ष नेतृत्व में बदलाव आया और कु. सी. सुदर्शन की जगह पर मोहन भागवत सरसंघचालक और भैय्याजी जोशी सरकार्यवाह बने. तब तीन साल बाद 2012 में भी कोई बदलाव नहीं हुआ, लेकिन 2015 में जब मोदी सत्ता के शीर्ष पर थे, तब अंदाजा लगाया जा रहा था कि अब तो दत्तात्रह होसबले सरकार्यवाह बन ही जाएंगे. परंतु मोदी पर लगाम लगाने के लिए भैय्याजी जोशी और भागवत की जोड़ी ने ऐसा नहीं होने दिया. 2018 में भी यही जोड़ी फिर मोदी के मंसूबों के आड़े आ गई.

आईबीएम ने नमक के कण से भी छोटा कंप्यूटर बनाया

लॉस वेगास, एजेंसी, 21 मार्च-प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी आईबीएम ने दुनिया का सबसे छोटा कंप्यूटर पेश किया है. इसका आकार नमक के कण से भी छोटा है.

इसी छोटी सी तकनीक का निर्माण 10 सेंट से भी कम लागत में किया जा सकता है. इससे उत्पादों को प्रमाणित करने से लेकर दवा को जांचने जैसे काम किए जा सकेंगे. इससे पता चल सकेगा कि दवा नकली है या असली. नवीनतम क्वालकॉम स्नैप ड्रैगन चिप का आकार लगभग 1 वर्ग सेंटीमीटर है. साथ ही यह 90 के दशक में बने सुपर कंप्यूटर से भी ज्यादा ताकतवर है. आईबीएम ने बताया कि पहला क्रिप्टो-एंकर चिप 18 माह में मिलना शुरू हो जाएगा. साथ ही यह अगले पांच साल में बाजार में उपलब्ध होगा.

धोखाधड़ी रोकेगा : आईबीएम का अनुमान है कि अगले पांच साल में धोखाधड़ी और खाद्य सुरक्षा समेत अन्य मुद्दों से निपटने के लिए वस्तुओं और उपकरणों में स्याही की बिंदु या अतिसूक्ष्म कंप्यूटर जैसे क्रिप्टोग्राफिक एंकर लगाए जाएंगे. इनका आकार नमक के कण से भी छोटा होगा. क्रिप्टोग्राफिक

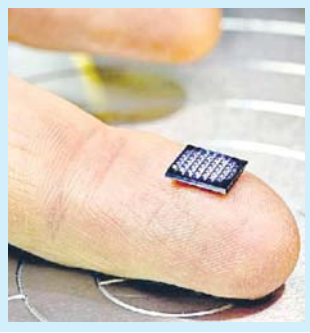

10 सेंट से भी कम है एक कंप्यूटर की लागत

90 के दशक में बने सुपर कंप्यूटर से भी ज्यादा ताकतवर

600 अरब डॉलर से जयादा की धोखाधड़ी होती है वैश्विक अर्थव्यवस्था में सालाना

70 फीसदी जीवन-रक्षक दवाएं लगभग नकली होती हैं.

इस छोटे कंप्यूटर से दवा के नकली होने की जांच भी हो सकेगी

लेन-देन से जुड़ी जानकारी एक जगह पर होगी

डिस्ट्रीब्यूटेड लेजर प्रोद्योगिकी संपत्ति या उत्पाद के लेनदेन को दर्ज करने वाली एक डिजीटल प्रणाली है, जिसमें लेनदेन से जुड़ी जानकारियां एक ही समय में कई जगह पर दर्ज होती है. इसमें कहा गया है कि ये प्रौद्योगिकियां नए समाधानों का मार्ग प्रशस्त करते हैं, जो कि खाद्य सुरक्षा, विनिर्मित कलपुर्जों की प्रमाणिकता, नकली सामान की पहचान जैसे मुद्दों से निपटने में मदद करेगा.

एंकर का इस्तेमाल ब्लॉकचेन डिस्ट्रीब्यूटेड लेजर प्रौद्योगिकी के साथ होगा ताकि उत्पाद की प्रमाणिकता बनने वाले स्थान से सुनिश्चित किया जा सके. पांच तकनीक विकसित कर रहा आईबीएम पांच तकनीक विकसित कर रहा है. इसमें क्रिप्टो एंकर व एंकर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बायस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस युक्त रोबोट माइक्रोस्कोप और क्वांटम कंप्यूटिंग. आईबीएम के शोध प्रमुख अरविंद कृष्ण के मुताबिक इन तकनीक से धरती के तापमान, प्रदूषण, पानी की किल्लत जैसे कई जानकारी मिलेगी.

अब आपके और नजदिक
बजाज फर्निचर
सोफा, चेअर, रिवॉलिंग चेअर, डायनिंग चेअर, रॅक, ऑफिस टेबल, अलमारी, बेडरुम सेट, शु रॅक, हॉटेल/ रेस्ट्रारॅट फर्निचर, कुलर, लकडी आलमारी, पलंग, दिवान

ICICI बैंक के बाजु में, बस स्टॅड रोड, अमरावती, 8551086251